विकास प्रशासन : अवधारणा एवं समस्याएँ

I. अवधारणा:-

Edward Weidver (इडवर्ड बीडनर) ने "Development Administration A New Focus for Research" में विकासशील देशों को एक महत्वपूर्ण अंग माना है। उनके अनुसार "विकास प्रशासन प्रगतिशील राजनीतिक, आर्थिक , सामाजिक लक्ष्यों की उपलब्धि की ओर संगठन के मार्गदर्शन की प्रक्रिया का रूप लेता है। ये विभिन्न लक्ष्य अधिकृत रूप से निश्चित किये गये होते हैं। Weidver के अनुसार "विकास प्रशासन का व्यवहारिक प्रयोग सामाजिक परिवर्तन है।''

II. लक्षण:-

आधुनिक लोक प्रशासन के दृष्टिकोण से फ्रेड डब्लू रिग्स ने विकास प्रशासन के पॉच मुख्य लक्ष्ण बतलाये हैं:-

i. परिवर्तोन्मुख (Change oriented)

ii. फलोन्मुख (Result oriented)

iii. निष्ठा (Commitment)

iv. ग्राहको-उन्मुख (Client oriented)

v. धर्मनिरपेक्ष-दुष्क्रियात्मक (Secular-dysfunctionalisim)

विकास प्रशासन और प्रशासन का विकास कार्यातमक रूप से एक दूसरे से संबद्ध है। Riggs के अनुसार विकास प्रशासन के इन दोनों पक्षों की परस्पर संबद्धता में अंडे-मंर्गी के समान कार्य-कारण भाव है।

विकास प्रशासन का केन्द्र-बिन्दु सामाजिक आर्थिक परिवर्तन है। इसलिए यह सामान्य प्रशासन या नियमकारी प्रशासन से भिन्न होता है।

रिग्स के अनुसार विकास प्रशासन को लक्ष्य एवं फल से मतलब होता है। अर्थात निश्चित समय में निश्चित रूप से निश्चित विकास होना चाहिए। जैसे किसी देश में प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि या सार्वजनिक स्वास्थ्य या कलयाणकारी कार्यक्रमों की बढ़ोतरी।

इसी प्रकार विकास प्रशासन Commitment to change में विश्वास करता है इस अर्थ में इसे "संलग्न प्रशासन (Involved administration) कहते हैं। ऐसे प्रशासन में "भूमिका प्रतिबद्धता" बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। अर्थात लोकसेवकों को और नेताओं को अपनी अपनी भूमिका निष्ठा के साथ निभानी पड़ती है। तभी विकास प्रशासन सही माना जायेगा।

III. **नौकरशाही एवं विकास प्रशासन :-**

रिग्स के अनुसार विकास प्रशासन में नौकरशाही की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। नौकरशाही सक्षम एवं भ्रष्टाचार मुक्त होना चाहिए। जिन देशों में ऐसी नौकरशाही नहीं है वहाँ विकास नहीं हो सकता है। भारत में प्रखंड प्रशासन एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी स्वच्छ प्रशासन के उदाहरण नहीं है।

IV. **समस्याएँ:-**

विकास प्रशासन की भारत में एक विशेष समस्या रही है कि किस प्रकार प्रखंड स्तर पर एवं जिला स्तर पर ज्यादा से ज्यादा नियंत्रण संचार एवं समन्वय स्थापित किया जा सके। ये समस्याएँ प्रशासकीय समस्यायें हैं।

भारत में विकास प्रशासन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण Planning रहा है। Planning के द्वारा Developmental goals निश्चित किये जाते हैं एवं

Programme तथा Projects का निर्धारण होता है और उनके क्रियान्वयन का एक निश्चित समय निर्धारित किया जाता है।

विकास प्रशासन में मुख्यतः कृषि उद्योग शिक्षा एवं स्वास्थ्य विकास के विशेष मुद्दे हैं। विकासशील देशों के लिए इन्हें हम Developmental Function कहते हैं। भारत में सामुदायिक विकास परियोजना विकास प्रशासन के क्षेत्र में अति उल्लेखनीय है। भारत में S.S . Kher के अनुसार "जिला प्रशासन भारतीय लोक प्रशासन रूपी औजार की धार है। वास्तव में, जिला स्तर पर कानून व्यवस्था राजस्व के अलावे भूमि सुधार, कृषि सिंचाई, उद्योग, निर्वाचन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से संबंधित सभी विकास कार्य किये जाते हैं।

V. **प्रशासनिक ढांचा :-**

बिहार में विकास प्रशासन हेतु मुख्य प्रशासनिक संरचना निम्न प्रकार का है :-

राज्य विकास समिति

विकास कमिश्नर

उप-विकास कमिश्नर

जिला विकास समिति

जिला विकास पदाधिकारी

प्रखंड विकास समिति

प्रखंड विकास पदाधिकारी

इस प्रकार, बिहार में भी विकास प्रशासन की सफलता के लिए विशिष्ट प्रशासनिक संरचना का निर्माण किया गया है।

लेकिन विकास प्रशासन की सफलता उसकी संरचना के साथ-साथ उसमें सलंग्न कर्मचारियों पर भी निर्भर करती है।

भारत में विकास प्रशासन के मार्गों में भ्रष्टाचार ने अत्यधिक अवरोध पैदा किया है। यह समस्या इसलिए भी पैदा हुई है कि विकास के नाम पर विदेशी सहायता काफी मात्रा में प्राप्त हुआ है और उस धनराशि को नेता एवं प्रशासक के गठबन्धन ने समाप्त किया है और प्रशासन के कार्य को ठप्प छोड़ दिया है। उल्लेखनीय है कि जिन राज्यों में भ्रष्टाचार की समस्या कम रही है वहाँ विकास भी हुआ है। जैसे- राजस्थान, केरल और तमिलनाडू में विकास प्रशासन पर्याप्त सफल रहा है। परंतु बिहार तथा उत्तर प्रदेश में स्थिति सोचनीय रही है।

विकास प्रशासन के साथ एक दूसरा मुद्दा है भागीदारी का। इस कमी को दूर करने के लिए अशोक मेहता समिति ने द्विस्तरीय पंचायत व्यवस्था की सिफारिश की है। जिसमें कुछ गॉवों को मिलाकर मंडल पंचायत और उसके उपर जिला पंचायत की व्यवस्था होगी। भारत सरकार ने इसे स्वीकार भी कर लिया है।

VI. मूल्यांकन:-

अतः निष्कर्ष में कहा जा सकता है कि विकासोन्मुख देशों में विकास प्रशासन तुलनात्मक लोक प्रशासन की कतिपय शाखाओं तथा कथित नवीन लोक प्रशासन का मिलन बिन्दु हो सकता है। यह भी स्वीकार किया जा चुका है कि विकास का प्रशासन और प्रशासन का विकास, विकास प्रशासन की अधिकांश परिभाषाओं में संयुक्त है। फ्रेड डब्लू रिग्स के मतानुसार "प्रशासन में महत्वपूर्ण परिवर्तन पर्यावरण में परिवर्तन के बिना नहीं लाये जा सकते हैं और पर्यावरण स्वयं तब तक परिवर्तित नहीं हो सकता जब तक कि विकास कार्यक्रमों के प्रशासन को सुदृढ़ नहीं किया जाता।'' इस प्रकार हम विकास प्रशासन को "योजनाबद्ध परिवर्तन का प्रशासन'' कह सकते हैं।

VII.